Sanskrita Aura Rashtriya Ekata

संस्कृत और राष्ट्रीय एकता

Document Information

Text title : Sanskrita Aura Rashtriya Ekata

File name : sanskRRitaaurarAShTrIyaekatA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

Sanskrita Aura Rashtriya Ekata

संस्कृत और राष्ट्रीय एकता

संस्कृत ही राष्ट्रीय एकता का दृढ़तम आधार एक है,
यही हमारे स्नेह-समागम मधुर मिलन का द्वार एक है । ०
चाहे हों हम दक्षिणवासी चाहे हों कश्मीर निवासी,
अङ्ग-वङ्ग गुजरात मराठा मालव के या हों आवासी,
एक हमारा धर्म सनातन सकल शास्त्र भी एक हमारे,
गीता वेद पुराण उपनिषद् धर्मग्रन्थ ये एक हमारे,
सन्ध्यावन्दन एक हमारा गायत्री श्रुतिसार एक है,
यों संस्कृत के कारण सारा भारत ही परिवार एक है । १
प्रादेशिक भाषायें अपने ही प्रदेश का गौरव गातीं,
एक दूसरे से अपने को ही विशेष उत्कृष्ट बतातीं,
पर अखण्ड भारत की आत्मा संस्कृत में प्रतिबिंबित होती,
एक कलशपूजन में पूरे भारत का दर्शन दे देती,
इससे ही भारत की जनता का सञ्चित संस्कार एक है,
संस्कृत ही राष्ट्रीय एकता का दृढ़तम आधार एक है । २
उत्तर के पाणिनि की दक्षिण में होती है सादर चर्चा,
दक्षिण के शङ्कर-रामानुज की उत्तर में घर-घर अर्चा,
कालिदास पर भारत के जो व्यक्ति-व्यक्ति का स्वाभिमान है,
"ललित लवङ्ग-लता" का होता जो मधुमय सर्वत्र गान है,
इस महान अद्वैत दृश्य का संस्कृत ही आधार एक है,
संस्कृत ही राष्ट्रीय एकता का दृढ़तम आधार एक है । ३

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskrita Aura Rashtriya Ekata
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*